नशे में धुत चालक ने दुकानो, गाड़ियों को रौंदा

टवेरा गाड़ी ने पिपलानावार में मचाया आतंक

10 से अधिक घायल, एक मासूम सहित 4 नागपुर रेफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सौंसर

क्षेत्र में बेलगाम होते वाहनों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार सुबह पीपला नारायणवार में हुए एक भयावह सड़क हादसे ने फिर से स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक अनियंत्रित टवेरा वाहन (एमपी 48 बी 632) ने सड़क किनारे स्थित कई दुकानों बाइक में टक्कर मार दी, जिसमें एक डेढ़ वर्षीय मासूम सहित 10 से अधिक लोग घायल और चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। चर्चा के दौरान बीएमओ डॉ रुपेश बोकड़े ने बताया कि दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 50 वर्षीय सीताराम ठाकरे 25 वर्षीय गोलू चौहान निलेश पाटणकर, प्रेमराज पाटणकर और डेढ़ साल का मासूम बच्चा भारत पाटनकर को सौसर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद में नागपुर रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बुधवार के सुबह विभिन्न कार्यों से बस स्टैंड पर अनेक लोग अपने कार्य से खड़े थे वही जामसावली की ओर से आ रही गाड़ी टवेरा चालक अत्यधिक नशे में धुत था। नशे में होने के कारण चालक वाहन पर अपना नियंत्रण पूरी तरह खो चुका था। तेज रफ्तार गाड़ी ने बस स्टैंड की सड़क किनारे खड़ी कई मोटरसाइकिलों आटो को उड़ाते हुए सीधे दुकानों में प्रवेश किया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दुकान के बाहर खड़े लोग संभल भी नहीं पाए और वाहन की चपेट में आ गए। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। सूचना मिलते ही पीपला पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहन और आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया है। मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

घायलों का हाल जानने अस्पताल पहुंचे पहुंचे जनप्रतिनिधि

हादसे की सूचना मिलते ही पूर्व राज्यमंत्री नाना मोहड़, विधायक विजय चौरे ने तत्काल सौसर सिविल अस्पताल पहुंचे। उन्होंने चिकित्सकों से घायलों के उपचार के बारे में विस्तृत चर्चा की और पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को घायलों को बेहतर और त्वरित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के सख्त निर्देश दिए हैं। देखने में आया है कि क्षेत्र में इन दिनों लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैसड़कें अब आम नागरिकों के लिए सुरक्षित नहीं रह गई हैं। यदि प्रशासन ने समय रहते सड़क सुरक्षा के कड़े इंतजाम नहीं किए, तो भविष्य में और भी बड़ी जनहानि हो सकती है।

हजारों स्कूल आज भी विषय शिक्षकों के अभाव में हो रहे संचालित

अधिशेष शिक्षक, खाली कक्षाएं और बिखरती शिक्षा व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

संपादकीय : मनीष गड़करी

मध्य प्रदेश सरकार इन दिनों सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति, ई-अटेंडेंस, नियमित निरीक्षण और जवाबदेही जैसी व्यवस्थाओं को सख्ती से लागू किया जा रहा है। उद्देश्य स्पष्ट है कि शिक्षक समय पर विद्यालय पहुंचें और विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा मिले। लेकिन इन तमाम प्रयासों के बीच एक ऐसा गंभीर मुद्दा है, जिसे लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है। यह मुद्दा है प्रदेश में अधिशेष (अतिरिक्त) शिक्षकों का समायोजन।

आज भी मध्य प्रदेश के हजारों सरकारी विद्यालय ऐसे हैं जहां एक भी नियमित शिक्षक नहीं है या फिर पूरे विद्यालय की जिम्मेदारी केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रही है। अनेक माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, संस्कृत और वाणिज्य जैसे विषयों के शिक्षक वर्षों से नहीं हैं। ऐसे विद्यालयों के विद्यार्थी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें, इसका जवाब किसी के पास नहीं है।

विडंबना यह है कि दूसरी ओर कई शहरी विद्यालयों और सुविधा संपन्न क्षेत्रों में आवश्यकता से अधिक शिक्षक पदस्थ हैं। कई स्कूलों में छात्र संख्या कम है, लेकिन शिक्षक अपेक्षाकृत अधिक हैं। कुछ विद्यालयों में एक ही विषय के कई शिक्षक हैं, जबकि उसी जिले के दूसरे विद्यालय में उस विषय का एक भी शिक्षक उपलब्ध नहीं है। यह असंतुलन केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि लाखों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ अन्याय है।

सरकार यदि शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर इतनी गंभीर है कि मोबाइल आधारित अटेंडेंस प्रणाली लागू कर रही है, तो उसे यह भी सुनिश्चित करना होगा कि शिक्षक सही स्थान पर पदस्थ हों। यदि किसी विद्यालय में शिक्षक ही नहीं हैं तो वहां उपस्थिति दर्ज कराने का प्रश्न ही नहीं उठता। शिक्षा व्यवस्था केवल नियमों और तकनीक से नहीं सुधरती, बल्कि संसाधनों के न्यायसंगत वितरण से मजबूत होती है।

प्रदेश के आदिवासी, ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों के बच्चे भी उतने ही प्रतिभाशाली हैं जितने शहरों के विद्यार्थी। अंतर केवल अवसरों का है। शहरों के विद्यार्थियों को विषय विशेषज्ञ शिक्षक, पुस्तकालय और अन्य सुविधाएं सहज उपलब्ध हो जाती हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चे वर्षों तक विज्ञान या गणित के शिक्षक का इंतजार करते रहते हैं। परिणामस्वरूप इन क्षेत्रों के विद्यार्थियों का प्रदर्शन प्रभावित होता है और शिक्षा में असमानता बढ़ती जाती है।

सरकार को तत्काल प्रदेशभर के सभी सरकारी विद्यालयों का विषयवार और छात्र संख्या के आधार पर सर्वे कराना चाहिए। जहां शिक्षक आवश्यकता से अधिक हैं, वहां से अधिशेष शिक्षकों का पारदर्शी और समयबद्ध समायोजन उन विद्यालयों में किया जाना चाहिए जहां रिक्त पद हैं। यह प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन और सार्वजनिक हो ताकि किसी प्रकार की सिफारिश, दबाव या पक्षपात की गुंजाइश न रहे।

यह भी आवश्यक है कि समायोजन को दंडात्मक कार्रवाई के रूप में न देखा जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में पदस्थ शिक्षकों के लिए आवास, परिवहन, इंटरनेट और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था भी सरकार की जिम्मेदारी होनी चाहिए।

यदि शिक्षक को सम्मानजनक कार्य परिस्थितियां मिलेंगी तो वह दूरस्थ क्षेत्रों में भी पूरी निष्ठा से अपनी सेवाएं देगा। आज प्रदेश के हजारों अभिभावकों की सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि शिक्षक समय पर स्कूल पहुंच रहे हैं या नहीं, बल्कि यह है कि उनके बच्चों को पढ़ाने के लिए शिक्षक उपलब्ध ही नहीं हैं।

छोटा तालाब एवं शनिचरा बाजार में व्यापक कार्रवाई, सड़क से हटवाया अतिक्रमण

छिंदवाड़ा। शहर के मुख्य मार्गों और व्यापारिक क्षेत्रों में सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने तथा आम नागरिकों की सुविधा के लिए नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा द्वारा निरंतर 'रोको-टोको अभियान' चलाया जा रहा है। इसी सिलसिले में आज नगर निगम आयुक्त श्री सीपी राय के आदेशानुसार एवं अतिक्रमण प्रभारी सागर बोरकर के कुशल निर्देशन में निगम की टीम द्वारा खजरी चौराहा, आदिवासी म्यूजियम के सामने से लेकर छोटा तालाब तक तथा शनिचरा बाजार और उसके आसपास के समस्त क्षेत्रों में सघन कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान टीम द्वारा लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट (मुनादी) कराकर सभी फुटकर व्यापारियों और ठेला व्यवसायियों को मुख्य सड़क पर सामान रखकर अतिक्रमण न करने की सख्त समझाइश दी गई। इसके साथ ही, निरीक्षण के दौरान पाया गया कि शनिचरा बाजार कॉम्प्लेक्स के अनेक दुकानदारों द्वारा अपनी दुकानों के निर्धारित क्षेत्र से बाहर सड़क पर सामग्री निकालकर अवैध रूप से मार्ग अवरुद्ध किया गया था। निगम अमले ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इन सभी दुकानदारों के काउंटर और सामान को सीमा के भीतर अंदर करवाया। कार्रवाई के दौरान पुनः अनाउंसमेंट के माध्यम से सभी को सार्वजनिक सड़कों व फुटपाथों पर अतिक्रमण न करने की अंतिम हिदायत दी गई तथा नियमों का उल्लंघन करने पर दंडात्मक कार्रवाई और सामग्री जब्त करने की चेतावनी भी जारी की गई है।

पिपलानारायणवार: सड़क हादसे के बाद जागा जन आक्रोश, अतिक्रमण हटाने लोगों को सौंपा ज्ञापन

सौंसर। पीपला बस स्टैंड पर हाल ही में हुए एक गंभीर सड़क हादसे के बाद स्थानीय नागरिकों में गहरा आक्रोश है। इस घटना के विरोध में आज बड़ी संख्या में नगर वासियों ने लामबंद होकर पीपला चौकी प्रभारी और नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नागरिकों ने स्पष्ट किया है कि बस स्टैंड रोड पर नगर पालिका के कॉम्पलेक्स की दुकानों द्वारा सड़क पर सामान रखकर अतिक्रमण किया गया है। दुकानदारों द्वारा सड़क तक किए गए इस कब्जे के कारण मुख्य मार्ग संकरा हो गया है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। नागरिकों ने बताया कि पूर्व में भी इस संबंध में कई बार शिकायतें की गई हैं, लेकिन कार्रवाई केवल दिखावे तक सीमित रहती है और कुछ समय बाद स्थिति फिर से जस की तस हो जाती है। बुधवार को दिए गए ज्ञापन के माध्यम से नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बस स्टैंड क्षेत्र से तत्काल प्रभाव से अतिक्रमण हटाया जाए, ताकि भविष्य में किसी और बड़ी दुर्घटना को रोका जा सके। इस अवसर पर उदय सिंह ठाकुर, सुनील भादेकर, सेवकराम पुसेकर, राजीव चौधरी, गुलाब माडीकर, सचिन सोनी, देवेंद्र कान्वे और प्रेमसिंग ठाकुर सहित अनेक नागरिक उपस्थित थे। नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही स्थाई समाधान नहीं निकाला गया, तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

50 घंटे का हाई-वोल्टेज ड्रामा खत्म, 80 मीटर ऊंचे टावर पर चढ़े विक्षिप्त बुजुर्ग का सुरक्षित रेस्क्यू

जांबाज पुलिस कर्मियों ने टावर पर चढ़कर दी समझाइश, जेब में मिली डायरी से खुला बंगाल कनेक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पांढुर्णा

स्थानीय तीन शेर चौक स्थित बीएसएनएल के 80 मीटर ऊंचे टावर पर पिछले 50 घंटों से चढ़ा एक 55 वर्षीय बुजुर्ग आखिरकार सुरक्षित नीचे उतार लिया गया है। प्रशासन और रेस्क्यू टीम के कड़े प्रयासों के बाद तीन बचावकर्मियों ने टावर पर ऊपर पहुंचकर बुजुर्ग को समझाइश दी, जिसके बाद वह नीचे उतरने को राजी हुआ।

एक सप्ताह से नागपुर से था लापता

पुलिस प्रशासन के अनुसार, बुजुर्ग की पहचान सोनातोन दियार (55 वर्ष) निवासी ग्राम खड़कपुर, थाना बलियाबार, जिला झारग्राम (पश्चिम बंगाल) के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक बुजुर्ग का मानसिक संतुलन कभी-कभी बिगड़ जाता है। वह करीब 8 दिन पहले अपनी शादीशुदा बेटी को छोड़ने नागपुर आया था, लेकिन वहां से अचानक लापता हो गया। बुजुर्ग की जेब से एक डायरी बरामद हुई है, जिसमें लिखे मोबाइल नंबरों पर जब प्रशासन ने संपर्क किया, तब जाकर उसकी पहचान और पूरी कहानी सामने आई।

परिजनों ने कभी नहीं सुना पांढुर्णा का नाम

डायरी के आधार पर जब बंगाल में परिजनों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने जीवन में कभी श्पांढुर्णाश का नाम तक नहीं सुना था। नागपुर से लापता होकर बुजुर्ग पांढुर्णा कैसे और क्यों पहुंचा, यह अभी भी एक रहस्य बना हुआ है। सूचना मिलने के बाद परिजन बंगाल से पांढुर्णा के लिए रवाना हो चुके हैं।

जांबाज पुलिसकर्मियों ने बचाई जान

भूखे-प्यासे टावर पर बैठे बुजुर्ग को सुरक्षित नीचे लाने में आरक्षक पुष्पेंद्र सिंह और आरक्षक नीतेश रघुवंशी सहित अन्य बचावकर्मियों ने मुख्य भूमिका निभाई। टावर से उतारने के बाद बुजुर्ग को तुरंत स्थानीय शासकीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। प्राथमिक जांच में बुजुर्ग का स्वास्थय ठीक बताया जा रहा है।

मौके पर डटा रहा प्रशासनिक अमला

शाम 4 बजे से शुरू हुए इस बेहद संवेदनशील रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान पूरा प्रशासनिक अमला मौके पर मुस्तैद रहा। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर प्रेक्ष्या पाठक, एसपी प्रकाशचंद्र परिहार, एडिशनल एसपी मनोकामना प्रसाद, एसडीओपी ब्रजेश भार्गव, नगरपालिका अध्यक्ष संदीप घाटोडे, थाना प्रभारी अमित दानी, आरआई अनीता सिवडे, नायब तहसीलदार मोहित गणवीर और सब-इंस्पेक्टर शिवकरण पांडे सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

ग्रामीणों को मिली निःशुल्क जांच और दवाएं

सौंसर। विकासखंड के गोद ग्राम बिछवी में बुधवार को एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर तर्कशील विचार समिति सौसर और शाऊमा विद्यालय रामाकोना की एनसीसी यूनिट की संयुक्त पहल पर, स्वास्थ्य विभाग के सक्रिय सहयोग से संपन्न हुआ। शिविर का विधिवत शुभारंभ ग्राम की सरपंच ज्योति वासुदेव खंडाईत, बीएमओ डॉ. रूपेश बोकडे ने दीप प्रज्वलित कर किया। स्वास्थ्य विभाग की डॉ. मीना ठाकरे ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाएं वितरित कीं। शिविर के दौरान डॉक्टरों ने ग्रामीणों को बदलते मौसम में होने वाली बीमारियों से सतर्क रहने और उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही, ग्रामीणों को अपने घर के आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य रत्नाकर भकने और महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक यशंता पंढ्रे विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान एनसीसी अधिकारी विश्वेश्वर रंगारे ने कैडेट्स की अनुशासित सहभागिता की सराहना की, जबकि तर्कशील समिति के सचिव पीकेएस गुर्वे ने गोद ग्राम बिछवी में समिति द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का सफल संचालन सुनील वाहने ने किया। शिविर की सफलता सुनिश्चित करने में स्वास्थ्य विभाग की आराधना सोनी, शीला वाहने, आशा कार्यकर्ता कल्पना गुर्वे और सुमित्रा ढोने का योगदान महत्वपूर्ण रहा। इसके साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रजनी ढोने, सहायिका सुनीता तुमडाम, कोटवार अक्षय ढोने, युवा कार्यकर्ता कृणाल पातुरकर आदि थे।

सड़क हादसे में घायल के लिए हमदर्द बने भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप मोहोड़

सौंसर। नागपुर-छिंदवाड़ा मार्ग पर ग्राम जाम के पास बुधवार दोपहर एक सड़क दुर्घटना में घायल बाइक सवार को भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप मोहड़ ने मानवता का परिचय देते हुए समय पर अस्पताल पहुँचाया, जिससे घायल की जान बच गई।मिली जानकारी के अनुसार, सौंसर निवासी शिव शंकर श्रीवास्तव किसी कार्य से अपनी बाइक द्वारा सौंसर की ओर आ रहे थे। इसी दौरान ग्राम जाम के समीप पीछे से आ रहे एक तेज अज्ञात ओवर टेक किया। जिसमें बाइक गिर गई। इस हादसे में श्री श्रीवास्तव के नाक और सिर पर चोटें आईं और वे सड़क पर अचेत अवस्था में पड़े थे।संयोगवश उसी मार्ग से जिला भाजपा अध्यक्ष संदीप मोहड़ अपने साथियों के साथ गुजर रहे थे। घायल पर नजर पड़ते ही उन्होंने तत्काल अपनी यात्रा रोककर कार्यकर्ताओं की मदद से घायल को उठाकर अस्पताल पहुँचाया। अस्पताल में उन्होंने चिकित्सकों से चर्चा कर घायल के उपचार की समुचित व्यवस्था करवाई है।

रोगी कल्याण समिति की बैठक में विकास को मिली रफ्तार

अस्पताल के लिए 39 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सौंसर

स्थानीय तहसील कार्यालय के सभाकक्ष में बुधवार को रोगी कल्याण समिति (रोकस) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। एसडीएम सिद्धार्थ पटेल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और अस्पताल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में कुल 39 बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई और सर्वसम्मति से इनके क्रियान्वयन को मंजूरी दी गई। अस्पताल परिसर से नागपुर-छिंदवाड़ा मुख्य मार्ग तक सड़क चौड़ीकरण, मर्चुरी तक पेवर ब्लॉक, एनबीएसयू विभाग में पार्टिशन निर्माण और डेंटल चेयर की मरम्मत जैसे कार्यों को मंजूरी दी गई। अस्पताल के लिए आवश्यक एक्स-रे मशीन, एक्स-रे फिल्म, एग्जॉस्ट और सीलिंग फैन, तथा चार्जिंग ट्यूबलाइट की खरीद का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही, सुरक्षा के दृष्टिगत अग्निशामक यंत्रों की रिफिलिंग और फायर एनओसी प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। अस्पताल परिसर में ट्रांसफॉर्मर क्षेत्र का कांक्रीट कार्य और नगर पालिका के माध्यम से पेयजल टंकियों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाएगी। पुराने अस्पताल परिसर के कॉम्पलेक्स किराएदारों के लिए नए सिरे से अनुबंध और किराया निर्धारण की जिम्मेदारी नगर पालिका सौंसर को सौंपी गई है।

तकनीकी अधिकारी कंसलटेंसी की मिलीभगत का नतीजा घटिया निर्माण

सांदीपानी स्कूल परिसर में निर्माणाधीन छात्रावास, गर्ल्स हॉस्टल की गुणवत्ता पर उठने लगे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तामिया

करोड़ों की लागत से बन रहे छात्रावास निर्माण पर उठे सवाल, गुणवत्ता और तकनीकी मानकों पर ग्रामीणों ने जताई आपत्तितामिया। मुख्यालय तामिया स्थित सांदीपनी स्कूल परिसर में आदिवासी छात्र-छात्राओं के लिए करोड़ों रुपये की लागत से छात्रावास एवं गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण कराया जा रहा है।

इन निर्माण कार्यों की कार्यकारी एजेंसी पुलिस हाउसिंग बोर्ड बताई जा रही है। हालांकि निर्माण की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि निर्माण कार्य में तकनीकी मानकों का पालन नहीं किया जा रहा और घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग किया जा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि भवनों की नींव (फाउंडेशन) में निर्धारित मापदंडों की अनदेखी साफ दिखाई देती है। निर्माण स्थल पर उपयोग की जा रही रेत धूलयुक्त तथा गिट्टी असमान आकार की और अनुपयुक्त नजर आती है। वहीं सरिए में जंग लगने और रंग बदलने की बात भी सामने आई है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर संदेह गहरा गया है। आरोप यह भी है कि तकनीकी अधिकारियों और कंसल्टेंसी की निगरानी प्रभावी नहीं होने से ठेकेदार मनमाने ढंग से कार्य कर रहा है।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि निर्माण के लिए शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। परिसर में हरे-भरे पेड़ों की कटाई तथा पीएचई की पेयजल टंकी हटाए जाने से पर्यावरण और सरकारी संपत्ति को क्षति पहुंची।

उनका कहना है कि भूमि विवाद के कारण निर्माण कार्य देर से शुरू हुआ, लेकिन बाद में नियमों की अनदेखी कर कार्य आगे बढ़ाया गया।निर्माण स्थल पर गुणवत्ता परीक्षण के लिए आवश्यक प्रयोगशाला भी स्थापित नहीं होने का दावा किया जा रहा है। वहीं एक भवन में स्लैब स्तर तक निर्माण होने के बावजूद खिड़की-दरवाजों में निर्धारित एल्यूमिनियम यूनिट के स्थान पर साधारण वेल्डेड फ्रेम लगाए जाने तथा फिटिंग में भी अनियमितता के आरोप लगाए गए हैं।

ग्रामीणों ने मांग की है कि निर्माण कार्य का स्वतंत्र तकनीकी निरीक्षण कराया जाए तथा कंक्रीट का क्यूब टेस्ट और अन्य गुणवत्ता परीक्षण किसी अधिकृत संस्थान, जैसे पॉलीटेक्निक कॉलेज की प्रयोगशाला से कराए जाएं। उनका कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच कराई गई तो निर्माण कार्य की वास्तविक गुणवत्ता सामने आ जाएगी।

पीआईसी बैठक: विभिन्न विकास कार्यों को मिली स्वीकृति

बैठक के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी नेहा धुर्वे ने पीआईसी की बैठक में रखे जाने वाले सभी प्रस्तावों को रखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जुन्नारदेव

नगर पालिका अध्यक्ष रमेश सालोडे की अध्यक्षता में पीआईसी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न निर्माण कार्यों, अस्थाई दखल, पेयजल सप्लाई लाइन मरम्मत सहित अन्य निविदाओं की दर स्वीकृति के विचार एवं निर्णय लिए गए।

बैठक के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती नेहा धुर्वे ने पीआईसी की बैठक में रखे जाने वाले सभी प्रस्तावों को रखा। जिसमें पीआईसी में विचार विमर्श करने के बाद सर्वसम्पत्ति से निर्णय लिया गया। निकाय में कार्यरत दैनिक वेतन श्रमिकों को अर्द्धकुशल व कुशलं श्रेणी का लाभ दिये जाने।वित्तीय वर्ष 2026 27 हेतु अस्थाई दखल फीस वसूली, ठेके पर दिये जाने की निविदा में निविदाकार की अमानत राशि राजसात कर पुनः वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु अस्थाई दखल फीस वसूली, ठेके पर दिये जाने की निविदा आमंत्रित किये जाने ।

जलापूर्ति वितरण अंतर्गत पाईप लाईनों में आवश्यक मरम्मत्त एवं प्रतिस्थापन कार्य की निविदा में प्राप्त न्यूनतम दर के संबंध में विचार,निकाय के फिल्टर प्लांट एवं रॉटलिंक टैंक में आरसीसी कन्सट्रक्शन कार्य कराये जाने के संबंध में विचार एवं निर्णय।वार्ड क्र. 03 में पेवर ब्लॉक स्थापना कार्य तामिया रोड से सुनिता आतुलकर के घर तक, उक्त कार्य।

वार्ड क्र. 17 में सी.सी. रोड निर्माण कार्य राकेश यदुवंशी के घर से मोक्षधाम तक, उक्त कार्य कराये जाने ।स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत वार्ड क्र. 10 सोमाटेकड़ी ट्रेंचिंग ग्राउण्ड में टीन शेड निर्माण कार्य कराये जाने के संबंध में निर्णय। स्वच्छ भारत मिशन 20 अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026 -27 हेतु लेखन/पेंटिंग कार्य/पुताई कार्य आदि की सेवा प्रदाय कार्य की निविदा में प्राप्त न्यूनतम दर की स्वीकृति।निकाय क्षेत्रांतर्गत सौन्दर्याकरण कार्य हेतु प्राप्त न्यूनतम बाजार दर के संबंध में विचार एवं निर्णय।

वित्तीय वर्ष 2026 27 हेतु स्वच्छता सामग्री की वार्षिक निविदा में प्राप्त न्यूनतम दर की स्वीकृति।स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत निकाय हेतु 01 नग चलित शौचालय क्रय किये जाने के संबंध में विचार एवं स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत कुल 04 स्थानों पर सार्वजनिक शौचालय (15 सीटर) निर्माण कार्य कराये जाने के संबंध में विचार।

स्वच्छ भारत मिशन 2.0 अंतर्गत उपयोगित जल प्रबंधन कार्य के ठेकेदार मेसर्स कालबांडे कन्सट्रक्शन 15 छिन्दवाड़ा को ब्लेकलिस्ट करने की कार्यवाही के संबंध में विवार किया गया।वित्तीय वर्ष 2026 27 के आय व्यय बजट के आवश्यकता अनुसार संशोधन के संबंध निर्णय।

कायाकल्प 2.0 योजना अंतर्गत अतिरिक्त निर्माण कार्यों पर होने वाले व्यय की स्वीकृति के संबंध में विचार किया गया।वार्ड क्र. 13 गंगल भवन के पास बाऊण्ड्री वॉल निर्माण कार्य कराये जाने के संबंध में निर्णय।वित्तीय वर्ष 2026 27 हेतु फ्लैक्स एवं पोस्टर तैयार किये जाने की वार्षिक निविदा संबंध में विचार एवं निर्णय।

निकाय द्वारा संचालित दीन दयाल रसोई केन्द्र हेतु कोल्ड स्टोरेज सिस्टम लगाये जाने के एवं निर्णय लिया गया। बैठक में सभी प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। पीआईसी की बैठक में अपील समिति सदस्य सभापति संजय जैन सभापति लता देवेंद्र टांडेकर सभपति सीमा कैलाश चौरसिया, सभापति श्रीमती लक्ष्मी चंद्रवंशी, सभापित नीता शरद करोलिया,सभापति, अमित यादव उपस्थित थे। बैठक में नगर पालिका के सभी संबंधित विभाग के कर्मचारी बैठक में उपस्थित रहे।

गोंडवाना समग्र बिछुआ ने राज्यपाल के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा। बुधवार को गोंडवाना समग्र बिछुआ के तत्वावधान में गुमतरा क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीणों ने बिछुआ तहसील कार्यालय पहुंचकर महामहिम राज्यपाल मध्यप्रदेश के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सेफ क्लिक 2.0 के तहत साइबर जागरूकता रैली, स्कूली बच्चों ने ग्रामीणों को दिए फ्रॉड से बचने के टिप्स

सिंगोड़ साइबर ठगी, फर्जी मोबाइल कॉल और व्हाट्सएप हैक की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए सिंगोड़ी पुलिस ने ₹सेफ क्लिक 2.0₹ अभियान के अंतर्गत मोर्चा निकाला। स्कूली छात्र-छात्राओं ने निकाली रैली अभियान के तहत आस्था पब्लिक स्कूल, के छात्र-छात्राओं ने रैली में हिस्सा लिया। रैली बस स्टैंड से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों पर भ्रमण करते हुए लोगों को जागरूक किया। रैली का नेतृत्व एसडीओपी अमरवाड़ा अनुविभागी अधिकारी कल्याणी बरकड़े,और सिंगोड़ी पुलिस चौकी प्रभारी एसआई पंकज राय ने किया। चौकी प्रभारी अपने स्टाफ के साथ रैली में लोगों के बीच पहुंचे और साइबर अपराधों से बचने के तरीके बताए। बच्चे बने जागरूकता के दूत स्कूली बच्चों ने ग्रामीणों को सीधे समझाया फ्रॉड कॉल और OTP शेयर न करें,अनजान नंबरों से आने वाले कॉल न उठाएं। किसी भी परिस्थिति में बैंक, OTP, पासवर्ड या व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें। ठग अक्सर बैंक अधिकारी या रिश्तेदार बनकर OTP मांगते हैं, ऐसे में सतर्क रहना जरूरी है। मोबाइल सिक्योरिटी फीचर्स ऑन रखें, मोबाइल की प्राइवेसी सेटिंग ऑन रखें। व्हाट्सएप पर टू-स्टेप वेरिफिकेशन लगाएं, अनजान लिंक पर क्लिक न करें और मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करें पुलिस की अपील एसडीओपी कल्याणी बरकड़े ने कहा कि साइबर अपराध से बचने का सबसे बड़ा हथियार जागरूकता है। यदि किसी के साथ ठगी होती है तो तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन या नजदीकी पुलिस चौकी में शिकायत करें। अभियान में स्कूल स्टाफ, पुलिस स्टाफ और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए।

झमाझम बारिश से नगर तरबतर, ओवर ब्रिज पर निर्माण कार्य गुणवत्ता की खुली पोल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जुन्नारदेव

बुधवार 8 जुलाई को सुबह से ही नगर में झमाझम बारिश का दौरा शुरू हो गया था जिसके बाद देर शाम तक बारिश के चलते क्षेत्र के नदी नाले तूफान पर रहे वही बारिश के कारण नगर थम सा गया जहां पर नगर के बाजार क्षेत्र में सन्नाटा पसरा रहा। वही एमपीआरडीसी द्वारा विश्व बैंक परियोजना मद से बनाए गए करोड़ों की लागत के ओवर ब्रिज में गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य की पोल भी खुलकर सामने आई है जहां पर ओवर ब्रिज में डाली गई डामर 8 दिनों की बारिश में ही उखड़ गई है और ओवर ब्रिज में गड्ढे नजर आने लगे हैं। इसके चलते ठेकेदार की मनमानी और गुणवत्ता हैं कार्य किए जाने का मामला सामने आया है। क्षेत्र वासियों ने एमपीआरडीसी और स्थानीय प्रशासन से शीघ्र ही ओवर ब्रिज पर बने हुए गड्डो को भरने और किए गए गुणवत्ता हीन निर्माण कार्य में सुधार करने की मांग की है।

वृद्ध माता-पिता का भरण-पोषण नहीं करना पड़ा भारी, 13 वर्ष पुराना बंटवारा आदेश निरस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिंगोड़ी

वृद्ध माता-पिता की उपेक्षा कर उनका भरण-पोषण नहीं करने वाले पुत्रों के विरुद्ध न्यायालय ने महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए 13 वर्ष पूर्व किया गया बंटवारा निरस्त कर कृषि भूमि पुनः पिता के नाम करने का आदेश दिया है।मामला ग्राम मानेगांव निवासी 76 वर्षीय धनलाल साहू एवं 66 वर्षीय बत्ताबाई साहू का है।

वृद्ध दंपति ने न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी अमरवाड़ा के समक्ष वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम की धारा 5, 9, 11, 12 एवं 23 के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया था।आवेदकों ने न्यायालय को बताया कि उन्होंने अपने दोनों पुत्रों सुरेश साहू एवं नरेश साहू को वर्ष 2013 में पारिवारिक बंटवारे के तहत अपनी कृषि भूमि प्रदान की थी। बंटवारा आदेश दिनांक 31/08/2013 के आधार पर भूमि पुत्रों के नाम दर्ज हो गई थी। लेकिन भूमि प्राप्त करने के बाद दोनों पुत्रों ने वृद्ध माता-पिता की देखभाल करना बंद कर दिया तथा उनके भरण-पोषण, उपचार एवं दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति से भी इंकार कर दिया।

वृद्धावस्था में जीवन-यापन का एकमात्र सहारा कृषि भूमि भी उनसे दूर हो जाने के कारण धनलाल साहू एवं बत्ताबाई साहू ने न्यायालय की शरण ली।न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी अमरवाड़ा श्री हेमकरण धुर्वे द्वारा राजस्व प्रकरण क्रमांक 0169/बी-121/2026-27 में दिनांक 07/07/2026 को पारित आदेश में वृद्ध माता-पिता के पक्ष में महत्वपूर्ण निर्णय दिया गया।न्यायालय ने न केवल दोनों पुत्रों को माता-पिता के भरण-पोषण हेतु प्रतिमाह 1000 की राशि देने के आदेश दिए, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करते हुए दिनांक 31/08/2013 का बंटवारा आदेश भी निरस्त कर दिया। इसके साथ ही ग्राम मानेगांव स्थित खसरा नंबर 516/1, 517/2, 609 एवं 613/3 कुल रकबा लगभग 8 एकड़ कृषि भूमि पुनः पिता धनलाल साहू को वापस प्रदान करने का आदेश पारित किया गया।

आवेदक धनलाल साहू एवं बत्ताबाई साहू की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्री राजेंद्र नेमा, मानस नेमा, डी.सी. चंद्रवंशी एवं सुभाष वर्मा अधिवक्ताओं द्वारा पैरवी की गई।न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी अमरवाड़ा के इस संवेदनशील निर्णय से समाज में यह संदेश जाएगा कि वृद्ध माता-पिता की सेवा एवं भरण-पोषण प्रत्येक संतान का नैतिक एवं कानूनी दायित्व है। निर्णय के बाद आवेदकगणों ने न्याय व्यवस्था एवं न्यायालय के प्रति आभार व्यक्त किया।

महावीर इंटरनेशनल के शकुन की छाँव अभियान के तहत सुशीला बाई कालबेले को छतरी वितरित

हरिभूमि न्यूज लांजी।

महावीर इंटरनेशनल महाकौशल जोन रीजन-9, लांजी केंद्र द्वारा सेवा एवं मानवता के उद्देश्य से संचालित ₹शकुन की छाँव₹ अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत बिरनपुर निवासी श्रीमती सुशीला बाई कालबेले को छतरी वितरित की गई।

महाकौशल जोन चेयरमेन एवं लांजी केंद्र चेयरमैन विशाल राउत खोंगल ने बताया कि इस अभियान के तहत धूप और बारिश में कार्य करने वाले श्रमिकों, रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों तथा आमजन को निःशुल्क छतरियों का वितरण किया जाना है। संस्था का यह प्रयास जरूरतमंद नागरिकों को भीषण गर्मी और वर्षा में राहत प्रदान करने के साथ ही समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता का संदेश देना है।

महावीर इंटरनेशनल स्वास्थ्य सेवाओं, नेत्र चिकित्सा, निःशुल्क चिकित्सा शिविर, रक्तदान, नेत्रदान, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, कौशल विकास तथा आपदा राहत जैसे कार्यों के माध्यम से समाज की सेवा करता है। साथ ही सत्य, अहिंसा, प्रेम, भाईचारा और सामाजिक समरसता के मूल्यों को बढ़ावा देना भी संस्था का प्रमुख उद्देश्य है।

कार्यक्रम में पूर्व सरपंच मानिक पांचे ने कहा कि महावीर इंटरनेशनल के कार्य पूरे क्षेत्र में सराहनीय हैं। संस्था ₹सबको प्यार, सबकी सेवा – जियो और जीने दो₹ के सिद्धांत पर चलते हुए निरंतर जनहित के कार्य कर रही है। अध्यक्ष एवं समाजसेवी झंकार किरनापुरे ने कहा कि यह छतरी छोटे व्यापारी और सड़क किनारे व्यापार करने वाले लोगों के लिए ₹शकुन की छाँव₹ बनेगी।

खैरलांजी में 50 बिस्तरीय हॉस्पिटल का निर्माण कार्य होगा प्रारंभ

विधायक विवेक पटेल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। खैरलांजी में 10 करोड़ रुपयों की लागत से 50 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कार्य प्रारंभ करने संबधित विभाग का अधिकारिक पत्र जारी हो गया है।पत्र के माध्यम से निर्माण एजेंसी को जमीनी काम और निर्माण प्रकिया तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए है।यह स्वीकृति क्षेत्र के विधायक विवेक विक्की पटेल के निरंतर प्रयासों के बाद मिली है।जिससे क्षेत्र में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात क्षेत्र के स्थानीय निवासियों को गम्भीर बीमारियों के इलाज और आपातकालीन चिकित्सा के लिए अब दूरदराज के बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।अनुभवी डाक्टरों और चिकित्सा स्टाफ़ की तैनाती से ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में व्यापक सुधार होगा।गम्भीर मरीजो को समय पर इलाज मिल सकेगा।जिससे लोगों के पैसे और कीमती समय दोनों की बचत होगी।

विधायक विवेक विक्की पटेल स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल से मुलाकत कर खैरलांजी में लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए शासन-प्रशासन के समाने निर्माण कार्य प्रारंभ करवाने की मांग की थी।उन्होंने पत्र के माध्यम से उल्लेख किया था कि खैरलांजी क्षेत्र के हजारों गांव को इलाज करवाने महाराष्ट्र,वारासिवनी या बालाघाट दूर जाना पड़ता है।जल्द निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात मरीजों को स्थानीय स्तर पर आपातकालीन और बेहतर सुविधाएं मिलेगी।

विधायक बनने के बाद मै लगातार मेहनत करके मुख्यमंत्री और संबंधित विभाग के मंत्रियों और विधानसभा के माध्यम से खैरलांजी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की थी।मुझे विभाग के संबधित अधिकारियों का फोन आया कि आपका प्रयास रंग लाया है।काम शुरू करने आदेश जारी हो गया है।कटंगी,बिरसा,लालबर्रा में निर्माण कार्य शुरू हो चुका था।किसी कारणवश खैरलांजी का रुपयों के आभाव में कार्य शुरू नहीं हुआ था।जल्द निर्माण कार्य शुरू करने मैंने लगातार प्रयास करता रहा।जिसके बाद क्षेत्र वासियों के आशीर्वाद से सफलता मिली है।

पी.एम. श्री जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में प्रवेश हेतु तैयारी तेज

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

पी. एम. श्री जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में सत्र 2027-28 के लिए कक्षा 6वीं में प्रवेश प्रक्रिया को लेकर तैयारियाँ तेज कर दी गई हैं। नवागत प्राचार्य संदीप कुमार जैन ने विद्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित कर समस्त स्टाफ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।बैठक में प्राचार्य श्री जैन ने कहा कि अधिक से अधिक योग्य विद्यार्थियों तक नवोदय प्रवेश परीक्षा की जानकारी पहुँचाई जाए, ताकि ग्रामीण एवं प्रतिभाशाली बच्चों को इस उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था का लाभ मिल सके। उन्होंने स्टाफ से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाएँ और विद्यार्थियों को आवेदन करने के लिए प्रेरित करें।प्रवेश संबंधी मुख्य जानकारीःकक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए वर्तमान में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थियों की जन्मतिथि 01 मई 2015 से 31 जुलाई 2017 के बीच होना अनिवार्य है।आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है, जबकि प्रवेश परीक्षा 28 नवंबर 2026 को आयोजित की जाएगी।

प्रवेश परीक्षा में तार्किक योग्यता , पर्यावरण विज्ञान, अंकगणित और भाषाई योग्यता के बहु विकल्पीय प्रश्न होंगे।आवश्यक दस्तावेजः आवेदन के लिए विद्यार्थियों को आधार कार्ड, कक्षा 5वीं का अध्ययन प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, अभिभावक के हस्ताक्षर सहित जाति एवं निवास प्रमाण पत्र (यदि लागू हो) प्रस्तुत करना होगा।विद्यालय प्रबंधन ने अभिभावकों एवं विद्यार्थियों से समय पर आवेदन करने की अपील की है, ताकि कोई भी योग्य छात्र इस सुनहरे अवसर से वंचित न रह जाए।

12वीं की छात्रा की संदिग्ध मौत

गांव के ही एक युवक पर बेटी को कीटनाशक देकर हत्या करने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज कटंगी। कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम गजपुर में कक्षा 12वीं की एक छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। घटना करीब एक सप्ताह पहले यानी 01 जुलाई की है। अब परिजनों ने गांव के ही एक युवक पर बेटी को कीटनाशक पिलाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पीड़ित परिवार ने आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। घटना की जांच कर रही पुलिस ने मंगलवार को परिजनों के थाने में बयान दर्ज किए हैं। फिलहाल यह कथित आरोपी युवक घर से फरार बताया जा रहा है। मृतक छात्रा की मां रामकला पटले ने बताया कि 30 जून और 1 जुलाई की दरमियानी रात करीब 1 बजे उनकी बेटी के मोबाइल पर गांव के ही युवक के लगातार फोन आ रहे थे। रात करीब 2 बजे जब परिजन उठे तो उन्होंने युवक को घर के बाहर से भागते हुए देखा। उसी समय बेटी की तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह उल्टियां करने लगी। परिजनों को शक हुआ तो उन्होंने तुरंत उसे कटंगी के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान 1 जुलाई को छात्रा ने दम तोड़ दिया। छात्रा की मां रामकला पटले का आरोप है कि युवक ने उनकी बेटी को प्रेम जाल में फंसा रखा था। इसी बीच उसने बेटी को कीटनाशक पिला दिया। मां का कहना है कि घटना के बाद से आरोपी युवक घर से गायब है। युवक के फरार होने से परिजनों का शक और गहरा हो गया है। रामकला पटले ने बताया कि हमारी बेटी की हत्या की गई है। युवक ने उसे धोखा देकर कीटनाशक पिलाया है। हम चाहते हैं कि पुलिस तुरंत उसे गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई करे। फिलहाल पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। अभी मामले में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है।

छत्तीसगढ़ नंबर वाहन में 12-14 पेटी शराब जब्त, रजिस्टर मिलने से संगठित नेटवर्क का शक; संरक्षण के लगे आरोप

बेखौफ शराब माफिया का गांवों पर कब्जा! टेकेपार में ग्रामीणों ने पकड़ी शराब से भरी बोलेरो

हरिभूमि न्यूज लाँजी।

बहेला थाना क्षेत्र के ग्राम मिरिया-टेकेपार में बुधवार तड़के ग्रामीणों ने शराब से भरी बोलेरो को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस घटना ने जिले में गांव-गांव तक फैले अवैध शराब कारोबार की गंभीर तस्वीर सामने ला दी है।

ग्रामीणों का दावा है कि छत्तीसगढ़ नंबर की बोलेरो में 12 से 14 पेटी देशी सादा, मसाला और अंग्रेजी शराब लोड थी, जिसे गांव की दुकानों में खपाने के लिए लाया गया था। वाहन पकड़े जाने के बाद चालक और उसका साथी मौके से फरार हो गए। बरामद वाहन से एक रजिस्टर भी मिला है, जिसमें कथित रूप से शराब बेचने वालों के नाम और मोबाइल नंबर दर्ज हैं। इससे पूरे नेटवर्क के संगठित होने की आशंका और गहरी हो गई है।

बिना संरक्षण संभव नहीं - ग्रामीणों का आरोप

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मनेरी शराब भट्टी से जुड़े ठेकेदार और उसके कर्मचारी लंबे समय से गांव-गांव शराब पहुंचाकर युवाओं को नशे का आदी बना रहे हैं। किराना दुकानों तक खुलेआम शराब की सप्लाई हो रही है, लेकिन पुलिस और आबकारी विभाग की कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि यदि यह अवैध कारोबार लंबे समय से चल रहा था तो जिम्मेदार विभागों को इसकी भनक क्यों नहीं लगी? उनका कहना है कि बिना किसी संरक्षण के इतनी बड़ी सप्लाई चेन का संचालन संभव नहीं है।

धरने पर बैठीं जिला पंचायत सदस्य, सख्त कार्रवाई की मांग

सूचना पर नवनियुक्त थाना प्रभारी शैलेन्द्र कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि उनकी हाल ही में पदस्थापना हुई है और भविष्य में ऐसी गतिविधियों की सूचना मिलने पर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाएगी। वहीं जिला पंचायत सदस्य ज्योति उमरे भी मौके पर पहुंचीं और ग्रामीणों के साथ वाहन के सामने धरने पर बैठ गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि शराब माफिया के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे जागरूक ग्रामीणों को धमकाने और मारपीट करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि लांजी क्षेत्र में किसी भी माफिया की दादागिरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

फिलहाल पुलिस ने शराब से भरे वाहन को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। अब पूरे जिले की नजर इस बात पर है कि यह कार्रवाई केवल जब्ती तक सीमित रहती है या फिर गांव-गांव तक फैले कथित शराब नेटवर्क, उसके संचालकों और यदि कोई संरक्षण देने वाला है तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होती है।

इस मामले को लेकर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ज्योति उंगरे ने प्रशासन के समक्ष 3 प्रमुख मांगें रखी हैंः अवैध शराब के कारोबार में इस्तेमाल गाड़ी को तुरंत राजसात किया जाए ,नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले शराब ठेकेदारों पर बिना किसी दबाव के कड़ी कानूनी कार्रवाई हो जब तक गाड़ी को राजसात करने की ठोस प्रशासनिक कार्रवाई पूरी नहीं होती, तब तक वह मौके पर धरने पर बैठी रहेंग। जिला पंचायत सदस्य ने कहा कि शराब माफिया के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे जागरूक ग्रामीणों को भी धमकाने का प्रयास कर रहे हैं। लांजी क्षेत्र में किसी भी माफिया की दादागिरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मातृशक्ति अब चुप नहीं बैठेगी

बेटा बचाओ, नशा हटाओ₹ अभियान के तहत ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि वे अपने गांवों को इस सामाजिक बुराई से मुक्त कराकर ही दम लेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं और युवाओं ने कहा कि नशे के कारण गांव के युवा बर्बाद हो रहे हैं, इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि प्रशासन गाड़ी को राजसात करने और नेटवर्क के खिलाफ क्या ठोस कार्रवाई करता है।

खबर संक्षेप

आराध्य चतुर्वेदी का आईआईटी में चयन

हरिभूमि न्यूज सिवनी। डी.पी.सी. रोल मॉडल एक्सीलेंस स्कूल, ड्रीमलैंड सिटी, सिवनी के मेधावी छात्र आराध्य चतुर्वेदी का (JoSAA) काउंसलिंग के प्रथम चरण में आई.आई.टी. वाराणसी में चयन हुआ है। आराध्य ने JEE (Mains/Advance) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अखिल भारतीय स्तर पर शानदार रैंक प्राप्त की। ज्ञात्वय हो कि आपने कक्षा 10वीं एवं 12वीं (गणित) की परीक्षाओं में जिले में प्रथम एवं संभागीय प्रावीण्य सूची में भी अपना स्थान बनाया था। आराध्य ने प्रारंभ से ही विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं एवं प्रतिभा खोज कार्यक्रमों, जैसे ओलंपियाड, इंडियन टैलेंट, विज्ञान मंथन तथा आई.ए.पी.टी जैसी कई परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। आराध्य, डी.पी.सी. ग्रुप के चेयरमैन डॉ. के. के. चतुर्वेदी एवं प्राचार्य डॉ. अमिता चतुर्वेदी के ज्येष्ठ पुत्र हैं। आराध्य की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर चाचा एच. के. चतुर्वेदी, डॉ.आर. के. चतुर्वेदी, अजय चतुर्वेदी, प्रद्युम्न चतुर्वेदी सहित विद्यालय परिवार, महाविद्यालय परिवार एवं समस्त शुभचिंतकों ने शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

धनौरा जनपद परिसर बना गंदगी का अड्डा, जिम्मेदार अधिकारी मौन

धनौरा एक ओर जहाँ सरकार स्वच्छ भारत अभियान के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर शासन-प्रशासन के केंद्र माने जाने वाले धनौरा जनपद पंचायत परिसर में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। परिसर में फैली बदहाली यहाँ आने वाले आम नागरिकों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रही है।

क्या है स्थिति?
जनपद कार्यालय के मुख्य द्वारों और परिसर के खाली कोनों में कचरे के ढेर लगे हुए हैं। लंबे समय से सफाई न होने के कारण यहाँ दुर्गंध का आलम है, जिससे कार्यालय में आने वाले ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मच्छरों और मक्खियों के पनपते संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।
जिम्मेदार कौन?
जनपद परिसर में सफाई के लिए बजट का प्रावधान होने के बावजूद, व्यवस्थाओं की अनदेखी की जा रही है। सवाल यह उठता है कि जिस परिसर से पूरे ब्लॉक के विकास की कार्ययोजनाएं बनती हैं, वहां खुद इतनी गंदगी क्यों है।

बकरियां चरा रही महिला पर बाघ का जानलेवा हमला, बकरी को बनाया शिकार

ग्राम पंचायत अंतरा के अमरवाड़ा में दिल दहलाने वाली घटना को बाघ ने दिया अंजाम चार माह में छठवां हमला, लगातार तीन लोगो की मौत के बाद भी नहीं थमा बाघ का आतंक, ग्रामीणों में भारी दहशत

राकेश अगरवार हरीभूमि बरघाट। राजनीतिक पार्टियों में कोई भी सत्ता पक्ष और ना ही विपक्ष में कोई भी बरघाट विधानसभा की सुध लेने वाला कोई माई का लाला नही बचा है जो आमजनो को राहत देने बुरे समय में काम आने वाला बचा हो जिससे जन आक्रोश बड़ता जा रहा है
वन विकास निगम बेहरई परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम अंतरा-अगरवाड़ा में मंगलवार सुबह एक बार फिर बाघ के हमले ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया। जंगल से लगे खेत में बकरियां चरा रही 46 वर्षीय सुमरन बाई भलावी पर झाड़ियों में छिपे बाघ ने अचानक हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि एक बकरी को बाघ ने अपना शिकार बना लिया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर बाघ जंगल की ओर भाग गया, जिससे महिला की जान बच सकी प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार, सुमरन बाई पति ख्याल सिंह भलावी सुबह अपनी बकरियां चराने जंगल से लगे खेत पहुंची थीं। इसी दौरान घात लगाए बैठे बाघ ने अचानक हमला कर दिया। बाघ के पंजों से महिला के पैर में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।
लगातार चार माह में छठवां हमला, तीन लोगों की जा चुकी जान क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे बाघ के हमलों ने वन विभाग की कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों के अनुसार पिछले चार महीनों में यह बाघ का छठवां हमला है। इससे पहले हुए हमलों में दो महिलाओं सहित तीन लोगों की मौत हो चुकी है। लगातार हो रही घटनाओं के बावजूद बाघ का आतंक कम नहीं हो सका है।

ग्रामीणों ने लगाएआरोप समय रहते नहीं किया गया अलर्ट

ग्रामीणों का कहना है कि कई दिनों से बाघ की गतिविधियां पूरे क्षेत्र में देखी जा रही थीं, लेकिन वन विकास निगम का अमला लोगों को समय पर सतर्क करने और प्रभावी निगरानी रखने में

नाकाम रहा। लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते चेतावनी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाती तो ऐसी घटनाओं से बचा जा सकता था।

तत्परता से बाघ की तलाश जारी, लेकिन बदल रहा ठिकाना

परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी बेहरई ने बताया कि वन विभाग की टीम लगातार बाघ को पकड़ने का प्रयास कर रही है, लेकिन बाघ बार-बार अपनी लोकेशन बदल रहा है, जिससे अभियान में कठिनाई आ रही है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे फिलहाल जंगल और उससे सटे क्षेत्रों में जाने से बचें तथा सतर्क रहें।

ग्रामीणों में आक्रोश, फेंसिंग की उठी मांग

घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत और आक्रोश का माहौल है। अंतरा के सरपंच पति राजेंद्र चौधरी ने कहा कि लगातार हो रहे बाघ के हमलों से ग्रामीणों का जीवन खतरे में है। उन्होंने मांग की कि जंगल की सीमा पर मजबूत तार फेंसिंग की जाए और स्थायी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके।

आखिर कब तक चलेगा बाघ का आतंक वन अंतर्गत ग्रामों में भय का माहौल

बरघाट ब्लाक में लगातार हो रहे बाघ के हमलों ने जंगल से लगे गांवों में भय का माहौल बना दिया है। अब ग्रामीणों की निगाहें वन विभाग की कार्रवाई पर टिकी हैं कि आखिर कब इस आदमखोर प्रवृत्ति दिखा रहे बाघ के आतंक से लोगों को राहत मिलेगी। आखिर कब तक बरघाट ब्लाक। बाघ के हमलो का शिकार होता रहेगा यह समझ के परे है।

अपीलीय कोर्ट से भी चार आरोपियों की सजा बरकरार, सभी गए जेल

जिला सिवनी के अंतर्गत थाना लखनवाडा की यह घटना दिनांक 17/07/2014 को शाम करीब 4.30 बजे ग्राम सरगापुर में अभियुक्त (1)सुंदरलाल पिता झाड़ूलाल सनोडिया उम्र 55 वर्ष ,(2)प्रहलाद पिता भुवनलाल सनोडिया उम्र 37 वर्ष ,दोनो निवासी ग्राम सरगापुर , (3) बालमुकुंद पिता अमीरचंद सनोडिया उम्र 39 वर्ष , निवासी ग्राम कोहका (4) यशवंत उर्फ गोलू पिता रामदयाल सनोडीया उम्र 30 वर्ष ग्राम पांजरा ।

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

सभी चारो अभियुक्तगण एक राय होकर ग्राम सरगापुर में पीड़ित सतेंद्र पिता केशरसिंह सनोडीया के घर के आंगन में जाकर लाठिया ,डंडे और पत्थर से सतेंद्र और कमला के साथ मारपीट की थी तथा केशरसिंह को लाठी , ईट पत्थर से मारकर कंधे और नाक की हड्डी में फैक्चर कारित किया था ।
उक्त घटना की रिपोर्ट पर पुलिस के द्वारा चारो अभियुक्तगण के विरुद्ध चालान पेश किया था ,जिसका विचारण माननीय नेहा प्रजापति न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की न्यायालय में की गई जिसमें उपरोक्त सभी अभियुकगणों को दोषी पाते हुए प्रत्येक को धारा-325 में 01-01 वर्ष का कारावास , और प्रत्येक को धारा-323,447 में 500-500 रूपये के जुर्माने से दंडित करने का निर्णय दिनांक 12/04/2022 को सुनाया था । जिसमे अभियोजन की ओर से एडीपीओ कौशल्या एक्का के द्वारा पीड़ित पक्ष की पैरवी की थी।
उक्त दोषसिद्ध निर्णय के विरुद्ध अभियुकगण द्वारा अपील की थी ,जिसकी सुनवाई माननीय पंकज जायसवाल द्वितीय अपर सत्र न्यायालय की अदालत में की गई जिस पर माननीय विद्वान न्यायाधीश द्वारा निचली अदालत द्वारा निर्णित किए गए दंड को उचित ठहराया और अपील निरस्त करते हुए सभी अभियुक्तगणों को सजा भुगवाए जाने हेतु जेल भेजने का निर्णय सुनाया है ।

भतीजे ने डेढ़ लाख की सुपारी देकर कराई चाचा की हत्या

6 हत्यारे चढ़े लखनादौन पुलिस के हत्थे

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

जिले की लखनादौन पुलिस ने महज चार दिनों के भीतर ग्राम सिहोरा में हुए चर्चित अंधे हत्या कांड का पर्दाफाश करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक के भतीजे ने जादू-टोना करने के संदेह और जमीन-जायदाद के विवाद के चलते अपने ही चाचा की हत्या की साजिश रची और डेढ़ लाख रुपये की सुपारी देकर वारदात को अंजाम दिलाया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं एसडीओपी लखनादौन अपूर्व भलावी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक के.पी. धुर्वे के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने इस सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा किया।पुलिस के अनुसार 3 जुलाई 2026 को ग्राम सिहोरा के तालाब किनारे मोहनलाल गोल्हानी (42) का शव उथले पानी में मिला था। प्रारंभिक जांच में हत्या कर साक्ष्य छिपाने की आशंका के आधार पर मामला दर्ज कर विशेष जांच शुरू की गई।

जादू-टोना के शक में रची हत्या की साजिश

विवेचना के दौरान मृतक के भतीजे राहुल गोल्हानी पर संदेह हुआ। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह अपनी बीमारी के लिए चाचा को

जादू-टोना का जिम्मेदार मानता था। साथ ही जमीन-जायदाद में चाचा को अधिक हिस्सा मिलने से भी वह नाराज था। इसी रंजिश के चलते उसने आकाश महोबिया को 1.50 लाख रुपये में हत्या की सुपारी दी।

डीएपी खाद का बहाना, फिर गमछे से घोंट दिया गला

पुलिस जांच में सामने आया कि 2 जुलाई की रात राहुल ने डीएपी खाद लाने का बहाना बनाकर अपने चाचा को तालाब के पास बुलाया। पहले से घात लगाए बैठे आकाश महोबिया, धर्मेन्द्र अहिरवार, प्रियांशु यादव और आशीष काकोडिया ने गमछे से गला घोंटकर मोहनलाल की हत्या कर दी। आरोप है कि गीता बाई ने मृतक की लोकेशन उपलब्ध कराकर वारदात में सहयोग किया। हत्या के बाद शव को तालाब किनारे फेंक दिया गया।

गिरफ्तार आरोपी

1. राहुल गोल्हानी पिता भालसिंह गोल्हानी, उम्र 20 वर्ष, निवासी सिहोरा थाना लखनादौन 2. गीता बाई पति भालसिंह गोल्हानी, उम्र 40 वर्ष, निवासी सिहोरा थाना लखनादौन 3. आकाश महोबिया पिता गणेश महोबिया, उम्र 21 वर्ष, निवासी चुरका थाना लखनादौन 4. धर्मेन्द्र अहिरवार पिता गुड्डू अहिरवार, उम्र 25 वर्ष, निवासी डुंगरिया थाना धूमा 5. आशीष काकोडिया पिता शंकरलाल काकोडिया, उम्र 19 वर्ष, निवासी पाठादेवरी थाना धूमा 6. प्रियांशु यादव पिता मदन यादव, उम्र 19 वर्ष, निवासी पाठादेवरी थाना धूमा।

सराहनीय भूमिका

उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक के.पी. धुर्वे, सउनि देवेन्द्र जायसवाल, सउनि मनोज परतेती, प्र.आर. फकीरचंद उइके, म.प्र.आर. बबीता सेन, आर. लकेश पटले, आर. दीपेश मेहरा, आर. सूरज मेहरा, आर. जतिन दुबे, आर. राजकुमार साहू, आर. ओमप्रकाश धुर्वे थाना आदेगांव की सराहनीय भूमिका रही।

योजनाओं में लापरवाही पर कलेक्टर ने दिखाई सख्ती

दो पंचायत सचिवों और सीएमओ केवलारी को कारण बताओ नोटिस जारी

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

केवलारी में आयोजित जनसुनवाई के दौरान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही सामने आने पर कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों की सुनवाई के दौरान यह पाया गया कि मुख्यमंत्री संबल योजना के पात्र हितग्राहियों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध नहीं कराई गई। इस पर ग्राम पंचायत मुनगापार के सचिव श्री संजय सनोड़िया तथा ग्राम पंचायत भरवेली के सचिव श्री अरुण कुमार सांडिल्य को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।
इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना के लंबित आवेदनों के निराकरण में उदासीनता पाए जाने पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी केवलारी श्री चन्द्रकिशोर भांवरे को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि योजनाओं से जुड़े सभी लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके।
केवलारी में आयोजित जनसुनवाई शाम लगभग 5:30 बजे तक चली, जिसमें कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने 619 आवेदकों की समस्याएं पूरी आत्मीयता और धैर्य के साथ सुनीं। जनसुनवाई में राजस्व, पंचायत, नगरीय निकाय, प्रधानमंत्री आवास, मुख्यमंत्री संबल योजना, पेंशन, पेयजल, विद्युत, सड़क, आर्थिक सहायता सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

प्राध्यापक संघ का आंदोलन

हरिभूमि न्यूज सिवनी। प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ ने शिक्षकों की लंबित समस्याओं और विभागीय अव्यवस्थाओं को लेकर 01 जुलाई से चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया है। प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक जिला संघ की अध्यक्ष डॉ. सविता मसीह ने बताया है कि संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ. आनंद शर्मा के दिशा-निर्देश अनुसार आंदोलन के प्रथम चरण में शिक्षक 15 जुलाई तक काली पट्टी बांधकर कार्य करेंगे। इसके साथ ही आंदोलन की आगामी रणनीति तैयार करने और संचालन के लिए राज्य स्तरीय संघर्ष समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है।
प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिवनी म.प्र. संघ पदाधिकारियों में सह-सचिव डॉ. श्रुति अवस्थी, कोषाध्यक्ष सी.एल. अहिरवार, सदस्यों में डॉ. मुन्ना लाल चैधरी, डॉ. पवन वासनिक, डॉ. सीमा मर्सकोले, डॉ. लीडिया कुमरे, डॉ. मान सिंह बघेल, डॉ. ज्योति गजभिये, प्रो. रचना राय. प्रो. तरूण कावरे, प्रो. दीक्षा पटले, प्रो. रंजीता कमलेश, प्रो. रचना सक्सेना, प्रो. गनेश कुमार मंतारे आदि का सहयोग व उपस्थिति रही।

11 से 14 जुलाई तक होगा आर्ट ऑफ लिविंग का हैप्पीनेस प्रोग्राम, सुदर्शन क्रिया के माध्यम से मिलेगा तनाव मुक्त एवं आनंदमय जीवन का अनुभव

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

द आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा 11 से 14 जुलाई 2026 तक प्रातः 6:30 बजे से 9:00 बजे तक चार दिवसीय हैप्पीनेस प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को तनावमुक्त, स्वस्थ, ऊर्जावान एवं प्रसन्न जीवन जीने की कला से परिचित कराना है। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को विश्वप्रसिद्ध सुदर्शन क्रिया, प्राणायाम, योग, ध्यान तथा जीवन को सकारात्मक बनाने वाले व्यावहारिक ज्ञान का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह कार्यक्रम मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक माना जाता है। आर्ट ऑफ लिविंग के अनुसार नियमित अभ्यास से आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता में वृद्धि, तनाव, चिंता एवं नकारात्मक भावनाओं से राहत, मानसिक शांति एवं एकाग्रता में सुधार, निर्णय लेने की क्षमता का विकास, रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि, स्वस्थ एवं मधुर संबंधों का निर्माण, कार्य एवं पारिवारिक जीवन में बेहतर संतुलन तथा रचनात्मकता एवं सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है। आयोजकों ने बताया कि 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी इच्छुक महिला एवं पुरुष इस कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। विश्वभर में करोड़ों लोगों ने सुदर्शन क्रिया का अभ्यास कर अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का अनुभव किया है। इच्छुक प्रतिभागी निम्न लिंक पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं: अधिक जानकारी एवं पंजीकरण हेतु संपर्क करें: 7000386614 9309707393 द आर्ट ऑफ लिविंग ने सिवनी जिले के सभी नागरिकों से इस अवसर का लाभ उठाकर तनावमुक्त, स्वस्थ एवं आनंदमय जीवन की दिशा में एक सकारात्मक कदम बढ़ाने का आग्रह किया है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर कलेक्टर ने राहत एवं बचाव व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने अपने केवलारी प्रवास के दौरान बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का सघन निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित गांवों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों का भ्रमण कर अधिकारियों से स्थिति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल निकासी व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त कर जलभराव की समस्या का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि लगातार वर्षा की स्थिति को देखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों पर सतत निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किए जाएं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निवासरत लोगों को आवश्यकता पड़ने पर बिना किसी विलंब के सुरक्षित राहत केंद्रों तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कॉलोनियों की सडक़े बदहाल, मूलभूत सुविधाओं के अभाव में रहवासी परेशान

खाली प्लाटों में भरा बारिश का पानी, बढ़ा मच्छरों का प्रकोप; कॉलोनाइजरों के वादे निकले खोखले

सिवनी। शहर के अनेक वार्डों में स्थित कॉलोनियां इन दिनों रहवासियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई हैं। कहीं सडक़ें टूटकर बदहाल हो चुकी हैं तो कहीं बीच सडक़ पर आई दरारें लोगों की समस्या बढ़ा रही हैं। बारिश के बाद खाली प्लाटों में पानी जमा होने से मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है, जिससे लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।
टैगोर वार्ड स्थित राजपूत कॉलोनी, सीवी रमन वार्ड की रामनगर कॉलोनी सहित शहर की कई अन्य कॉलोनियों में हालात खराब हैं। यहां की सडक़ें जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं और देखने में ऐसा प्रतीत होता है मानो सडक़ों पर चेचक के दाग की तरह गड्ढे बन गए हों। बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी भरने से आवागमन में परेशानी होती है।
रहवासियों का कहना है कि कॉलोनाइजरों ने प्लाट बेचते समय कॉलोनियों में गार्डन, खुला परिसर, स्वच्छ वातावरण और शुद्ध पेयजल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के बड़े-बड़े दावे किए थे, लेकिन वर्तमान स्थिति इसके विपरीत

है। कई कॉलोनियों में रहना लोगों के लिए परेशानी भरा हो गया है।

खाली प्लाटों में जमा पानी से बढ़ा मच्छरों का खतरा

बारिश के बाद कॉलोनियों के खाली प्लाटों में पानी जमा हो गया है, जहां खरपतवार उग आई है। लंबे समय तक पानी जमा रहने से मच्छरों की संख्या बढ़ रही है। रहवासियों को डर है कि इससे बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

चंद्रप्रभा नगर में कचरे के ढेर से परेशानी

बरघाट रोड स्थित विद्युत विभाग के सामने चंद्रप्रभा नगर क्षेत्र में नगर पालिका द्वारा शहर का कचरा डंप किया जा रहा है। कचरा समय पर नहीं उठने के कारण यहां दुर्गंध और गंदगी फैल रही है, जिससे आसपास रहने वाले लोग परेशान हैं।
बारिश में घरों के सामने भर जाता है पानी
रामनगर कॉलोनी निवासी मनोज शर्मा एवं विनोद विश्वकर्मा ने बताया कि बारिश के दौरान उनके घरों के सामने पानी भर जाता है। उन्होंने स्वयं मिट्टी डालकर भराव कराने का प्रयास किया, लेकिन समस्या का स्थाई समाधान नहीं हो पाया। रहवासियों ने कई बार नगर पालिका में शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।
वार्डवासियों का आरोप है कि पार्षद, जमादार और सफाई कर्मचारी मौके पर आते हैं, लेकिन केवल औपचारिकता पूरी कर चले जाते हैं। ऐसे में लोगों को समस्या का स्थाई निराकरण होता दिखाई नहीं दे रहा है। रहवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि कॉलोनियों की सडक़, जल निकासी और सफाई व्यवस्था को दुरुस्त कर लोगों को राहत प्रदान की जाए।

जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला 15 जुलाई को

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशानुसार जिला प्रशासन, जिला रोजगार कार्यालय सिवनी, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा शासकीय आईटीआई सिवनी के संयुक्त तत्वावधान में युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार 15 जुलाई 2026 को प्रातः 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, सिवनी में जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले का उद्देश्य जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप से जोडना है। मेले में देश एवं प्रदेश की विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियां साक्षात्कार के माध्यम से अभ्यर्थियों का चयन करेंगी।इस दौरान ट्रेनी, मशीन ऑपरेटर, सुरक्षा गार्ड, सुपरवाइजर, बीमा एजेंट, सेल्स एग्जीक्यूटिव, कॉल सेंटर ऑपरेटर सहित विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थियों की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच होना आवश्यक है। 8वीं, 10वीं, 12वीं, आईटीआई एवं स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी मेले में भाग ले सकते हैं।

कटंगी वार्ड 4 में दर्दनाक हादसा

कूलर के करंट से 19 वर्षीय युवती और पालतू कुत्ते की मौत

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

कटंगी शहर के वार्ड क्रमांक 4 में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में 19 वर्षीय युवती और पालतू कुत्ते की मौत हो गई। घर के बाहर लगे कूलर में आए करंट की चपेट में आने से दोनों की जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम किया गया है। इस हादसे से पूरे शहर में शोक की लहर है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक यह घटना बुधवार दोपहर करीब 1 बजे की है। मृतिका की पहचान पूनम उर्फ मोना पिता स्वर्गीय पवन नामदेव निवासी वार्ड 4 के रूप में हुई है। मोना अपनी छोटी बहन पूर्वा के साथ रहती थी। बुधवार को मोना घर के पास ही कुत्ते के साथ खेल रही थी। इसी दौरान पड़ोसी अनिल चुटेलकर के घर का पालतू कुत्ता दौड़ता हुआ घर के बाहर लगे कूलर के पास पहुंच गया। कुत्ते को पकड़ने के लिए मोना भी उसके पीछे दौड़कर गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सबसे पहले कुत्ता कूलर के संपर्क में आया और करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कुत्ते को बचाने के लिए मोना ने उसे पकड़ने की कोशिश की और वह भी करंट की चपेट में आ गई। मोना के चेहरे और हाथों में तेज करंट आया। जिस कारण चंद मिनट में ही उसका पूरा शरीर नीला दिखाई देने लगा था।

बताया जा रहा है कि हादसे के समय अनिल चुटेलकर के घर पर कोई मौजूद नहीं था और कूलर का बटन भी बंद था। इसके बावजूद कूलर में करंट कैसे आया यह अभी जांच का विषय है। मोना की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मोना अपनी छोटी बहन पूर्वा के साथ रह रही थी और इन बच्चियों की देखरेख बड़े माता-पिता करते थे। दरअसल, मोना की मां अपने पति की हत्या के मामले में जेल में सजा काट रही है। पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। हादसे की सूचना मिलते ही उप निरीक्षक सुजाता कामले, प्रधान आरक्षक अनिल चौके और पुलिस टीम मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी भेजा। दोपहर 03 बजे शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं इस दर्दनाक हादसे की सूचना जेल में बंद मोना की मां को भी पहुंचाई गई। वकील ने आपातकालीन पैरोल की कार्रवाई भी की है ताकि वह जेल में बंद मां अपनी बेटी के अंतिम संस्कार में शामिल हो सकें। हालांकि शाम 05 बजे तक ऐसी कोई जानकारी नहीं मिल पाई कि जेल में बंद मां को छोड़ा गया है। इधर, मोना के बड़े माता-पिता और नाते-रिश्तेदारों ने अंतिम संस्कार की पूरी प्रक्रिया कर ली थी।

पुलिस ने 6 माह में 225 गुम मोबाइल खोजे

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट पुलिस ने 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान के समापन पर बुधवार को 225 गुम हुए मोबाइल उनके मालिकों को लौटा दिए। इन मोबाइलों की अनुमानित कीमत लगभग 34 लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस ने इन सभी मोबाइलों को केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (CEIR) पोर्टल की मदद से ट्रैक कर बरामद किया। अपने गुम हुए मोबाइल वापस पाकर धारकों के चेहरे खिल उठे।

आज के समय में मोबाइल हर व्यक्ति की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गया है। मोबाइल में मौजूद डेटा और दैनिक कार्यों के लिए इसकी उपयोगिता के कारण इसके गुम होने पर लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

बालाघाट कंट्रोल रूम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) निहित उपाध्याय ने बताया कि प्रारंभिक चरण में मुख्यालय स्तर पर गुम हुए मोबाइल धारकों को मोबाइल लौटाए जा रहे हैं। इसके बाद यह प्रक्रिया थाना स्तर पर भी दोहराई जाएगी।

एएसपी उपाध्याय ने नागरिकों से अपील की कि मोबाइल गुम या चोरी होने पर तत्काल CEIR पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें। इससे मोबाइल को ब्लॉक करने, ट्रेस करने और उसकी शीघ्र रिकवरी की संभावना बढ़ जाती है।

उन्होंने 'सेफ-क्लिक 2.0' अभियान के तहत नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए यह भी अपील की कि किसी भी अज्ञात लिंक, एपीके फाइल या संदिग्ध संदेश पर क्लिक न करें। अपनी व्यक्तिगत और बैंकिंग जानकारी किसी से साझा न करें।

किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर या https://cyber-crime.gov.in पर अपनी शिकायत दर्ज करें और निकटतम पुलिस थाने में संपर्क करें।

200 साल पुराना बरगद का पेड़ गिरा, कोई जनधन की नहीं हुई हानि

किरनापुर। मुख्यालय स्थित ग्राम पंचायत किरनापुर के गांधी चौक में 200 साल पुराना बरगद का पेड़ गिरने के बावजूद कोई जनधन की हानि नहीं हुई है। सैकड़ो साल पुराने ऐतिहासिक और विशाल पेड़ों का इस प्रकार सुरक्षित रूप से गिरना और किसी को नुकसान न पहुंचाना एक बहुत ही सुखद संयोग है। किरनापुर में गिरे 200 साल पुराने पेड़ की बरगद के पेड़ को लेकर गांव के वरिष्ठ नागरिकों का अलग-अलग विषयों पर चर्चा का विषय बना हुआ है। पेड़ व मलमा साफ करने के लिए जेसीबी मशीन व ट्रैक्टर द्वारा प्रशासन की टीम पहुंचकर हटाने में सहयोग दे रही है। पेड़ का हिस्सा सड़क पर गिरने से सड़कों घंटे जाम लगा रहा। जिससे यातायात बाधित हुआ।

दीक्षांत समारोह में अश्विनी देव मेश्राम को आईआईटी खड़गपुर के द्वारा पीएचडी की डिग्री प्रदान की

हरिभूमि न्यूज किरनापुर।

पेंशनर्स एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष श्री डीडी मेश्राम ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि अश्विनी देव मेश्राम को 72 वें दीक्षांत समारोह आईआईटी खड़गपुर में पीएचडी की डिग्री इलेक्ट्रॉनिक एंड इलेक्ट्रिकल्स कम्युनिकेशन विभाग द्वारा प्रदान किया गया। अश्विनी देव मेश्राम वर्तमान में असिस्टेंट प्रोफेसर एम यू जे यूनिवर्सिटी जयपुर में पदस्थ है। यह सम्मान समारोह 4जुलाई 2026 को आयोजित किया गया। जहां उन्हें प्रशस्ती पत्र प्रदान किया गया। जिससे विभाग के शिक्षको एवं परिवार में उत्साह व्याप्त है।

10वीं-12वीं द्वितीय अवसर परीक्षा 2026 की अंकसूचियां 9 जुलाई से वितरित होंगी

बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10वीं एवं 12वीं द्वितीय अवसर परीक्षा वर्ष 2026 की अंकसूचियों का वितरण 9 जुलाई 2026 से किया जाएगा। इस संबंध में जिले की समन्वयक संस्था शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, बालाघाट के प्राचार्य एवं समन्वयक श्री शरद ज्योतिषी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी है। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य ने बताया कि कक्षा 10वीं एवं 12वीं द्वितीय अवसर परीक्षा 2026 की अंकसूचियां 9 जुलाई 2026 को दोपहर 12:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक तथा इसके पश्चात कार्यालयीन कार्य दिवसों में समन्वयक संस्था शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, बालाघाट से वितरित की जाएंगी। जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय हाई स्कूल तथा हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों से आग्रह किया गया है कि वे अपने अधिकृत प्रतिनिधि को समन्वयक संस्था भेजकर विद्यार्थियों की अंकसूचियां प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

लगातार बारिश से बालाघाट-बैहर मार्ग पर गिरा विशाल आम का पेड़, तीन घंटे बाधित रहा यातायात

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले में लगातार हो रही बारिश का असर जनजीवन पर दिखाई देने लगा है। मंगलवार देर रात बालाघाट-बैहर मार्ग पर एक विशाल आम का पेड़ अचानक सड़क पर गिर गया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पेड़ गिरने के कारण करीब ढाई से तीन घंटे तक इस मार्ग पर यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय सड़क से कोई वाहन नहीं गुजर रहा था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार, घटना मंगलवार रात करीब 9 बजे की है। लगातार बारिश के चलते पेड़ की जड़ें कमजोर हो गई थीं। इसी दौरान बालाघाट-बैहर मार्ग पर स्थित एक विशाल आम का पेड़ अचानक भरभराकर सड़क पर गिर पड़ा। पेड़ इतना बड़ा था कि उसने पूरी सड़क को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे दोनों दिशाओं से वाहनों का आवागमन बंद हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभाग की टीम मौके पर पहुंची। कर्मचारियों ने पेड़ को काटकर हटाने का काम शुरू किया। कई घंटे की मशक्कत के बाद सड़क से पेड़ हटाया गया, जिसके बाद यातायात को फिर से सुचारु किया जा सका।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पेड़ गिरने की आवाज काफी तेज थी। आसपास मौजूद लोग तुरंत मौके पर पहुंचे, लेकिन सौभाग्य से उस समय कोई वाहन पेड़ की चपेट में नहीं आया। यदि घटना के दौरान कोई वाहन वहां से गुजर रहा होता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

लगातार बारिश के कारण जिले में कई स्थानों पर पेड़ों के गिरने और जलभराव जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। प्रशासन ने लोगों से बारिश के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने और बड़े पेड़ों के आसपास वाहन खड़े न करने की अपील की है।

मौसम विभाग ने भी क्षेत्र में आगामी दिनों तक बारिश जारी रहने की संभावना जताई है। ऐसे में प्रशासन अलर्ट मोड पर है और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से समय रहते निपटा जा सके।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में पुराने और कमजोर पेड़ों की नियमित जांच कर समय रहते उनकी छंटाई या हटाने की व्यवस्था की जानी चाहिए। इससे इस तरह की घटनाओं को रोका जा सकता है और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

जिले में 8 जुलाई तक 306 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

बालाघाट। चालू वर्षा सत्र में बालाघाट जिले में 1 जून से 08 जुलाई 2026 तक कुल 306 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 463 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्य वार्षिक वर्षा 1447 मिलीमीटर निर्धारित है। जिले में 01 जून से 08 जुलाई तक 359 मिलीमीटर वर्षा हो जाना चाहिए। कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 08 जुलाई को प्रातः 8 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटों के दौरान जिले में 10 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है। इस अवधि में बालाघाट तहसील में 09 मिलीमीटर, वारासिवनी में 05 मिलीमीटर, बैहर में 11 मिलीमीटर, लांजी में 10 मिलीमीटर, कटंगी में 03 मिलीमीटर, किरनापुर में 21 मिलीमीटर, खैरलांजी में 09 मिलीमीटर, लालबर्रा में 03 मिलीमीटर, बिरसा में 21 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 08 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी में 09 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

तेंदुए ने घर में घुसकर बकरी पर किया हमला

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

कटंगी वन परिक्षेत्र और अरी रेंज के बीच स्थित ग्राम टेकाड़ी के नहर टोला में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात तेंदुए ने एक बार फिर दहशत फैला दी। वन्य प्राणी ने गांव के अंदर घुसकर एक पालतू बकरी पर हमला कर दिया। हमले में बकरी घायल हो गई है। घटना रात करीब साढ़े 12 बजे की बताई जा रही है। बुधवार को पशु मालिक कृष्ण कुमार लाड़े ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि हमले से बकरी लहूलुहान हालत में थी और आसपास तेंदुए के पंजों के निशान भी मिले। कृष्ण कुमार ने बताया रात में उन्होंने बकरी के चिल्लाने की आवाज सुनी और घर से बाहर निकलकर देखा तो बकरी घायल अवस्था में पड़ी थी। बकरी के शरीर पर पंजों और दांतों के निशान हैं। घर के पास ही मिट्टी में तेंदुए के पदचिन्ह भी साफ दिख रहे हैं। तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नहर टोला में पिछले कुछ महीनों से तेंदुए की गतिविधियां लगातार बढ़ गई हैं। इससे पहले भी इस इलाके में तेंदुआ कई पालतू मवेशियों का शिकार कर चुका है। आए दिन तेंदुए की चहलकदमी देखने को मिल रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। बार-बार शिकायत के बाद भी पिंजरा नहीं लगाया गया और न ही रात में गश्त बढ़ाई गई है। तेंदुए के बार-बार गांव में आने से नहर टोला के लोगों में डर का माहौल है। खासकर रात के समय महिलाएं और बच्चे घर से बाहर निकलने से डर रहे हैं। मवेशी पालक भी अपने जानवरों को खुले में बांधने से कतरा रहे हैं।

कढ़ी में छिपकली मिलने की शिकायत पर खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, तीन प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई

स्वच्छता में मिली गंभीर खामियां, बिना खाद्य पंजीयन कारोबार करने वालों पर प्रकरण दर्ज; मामलों को न्यायालय में किया जाएगा प्रस्तुत

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट शहर के एक होटल में परोसी गई कढ़ी में छिपकली मिलने की शिकायत के बाद खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शहर के विभिन्न होटल एवं जलपान गृहों का सघन निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर नोटिस जारी किए गए तथा प्रकरण दर्ज किए गए।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम सबसे पहले मोती नगर स्थित धुवारे जलपान गृह पहुंची। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि घटना के बाद ही संचालक मंगलेश द्वारा होटल बंद कर दिया गया था। इसके बाद वार्ड क्रमांक 32, मोती नगर स्थित गुरुकृपा होटल का निरीक्षण किया गया। यहां साफ-सफाई एवं स्वच्छता संबंधी कई कमियां मिलने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 32 के तहत नोटिस जारी किया गया।

शिव मंदिर चौक, नर्मदा नगर स्थित लिल्हारे जलपान गृह के निरीक्षण में बिना खाद्य पंजीयन के खाद्य कारोबार संचालित किया जाना पाया गया। साथ ही परिसर में स्वच्छता संबंधी गंभीर कमियां भी मिलीं। इस पर बिना खाद्य पंजीयन एवं अस्वच्छता का प्रकरण तैयार किया गया। इसी क्रम में मेन रोड, सरस्वती नगर स्थित शक्ति नमकीन उद्योग एवं चाय-नाश्ता दुकान का निरीक्षण किया गया। यहां भी बिना खाद्य पंजीयन के खाद्य कारोबार संचालित किया जाना, खुले में खाद्य सामग्री का विक्रय तथा परिसर में गंदगी पाए जाने पर बिना खाद्य पंजीयन एवं अस्वच्छता का प्रकरण तैयार किया गया।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने बताया कि सभी प्रकरण शीघ्र ही न्यायालय में प्रस्तुत किए जाएंगे तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने सभी खाद्य कारोबारियों को खाद्य पंजीयन अनिवार्य रूप से कराने, स्वच्छता मानकों का पालन करने तथा उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

स्वच्छ पानी, सुरक्षित गांव : पीएचई ने डायरिया रोकने के लिए 10 गांवों में चलाया विशेष अभियान

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

डायरिया रोको अभियान के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) द्वारा जिले में पेयजल स्त्रोतों को सुरक्षित एवं स्वच्छ बनाए रखने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को बालाघाट, परसवाड़ा, लांजी, किरनापुर एवं बैहर विकासखंड के ग्राम भालेवाड़ा, मानपुर, खैरी, भटेरा, अमेडा, बहेला, पाथरगांव, टिमकीटोला, लोटमारा तथा कोंगेवानी में त्वरित कार्रवाई की गई।

विभाग की टीम ने गांवों में पहुंचकर खराब पड़े हैंडपंपों का सुधार कार्य कराया, जिससे ग्रामीणों को निर्बाध रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। साथ ही, सुधारे गए हैंडपंपों सहित गांव के अन्य सभी हैंडपंपों में जर्मेक्स डालकर क्लोरीनीकरण किया गया। इस प्रक्रिया से पानी में मौजूद हानिकारक कीटाणुओं को नष्ट कर जलजनित बीमारियों, विशेषकर डायरिया, के खतरे को कम करने का प्रयास किया गया।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे पेयजल को छानकर एवं ढककर रखें, स्वच्छता का विशेष ध्यान दें तथा केवल सुरक्षित पानी का ही उपयोग करें। विभाग ने बताया कि डायरिया रोको अभियान के तहत जिले में पेयजल स्त्रोतों की नियमित निगरानी एवं आवश्यक सुधार कार्य लगातार जारी रहेंगे।

जल शोधन सयंत्र से शहर में प्रदाय होने वाले जल की शुद्धता है प्रमाणित

नपाध्यक्ष ने सभापति एवं इंजीनियर्स के साथ किया फिल्टर प्लांट का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जल शोधन सयंत्र में चरणबद्ध प्रक्रिया के बाद शुद्ध किये गये जल की प्रमाणिकता है और यह पीने तथा दैनिक उपयोग के कार्यो के लिये प्यूरिफाईड है। मीडिया में प्रचारित फिल्टर प्लांट में कीड़े एवं झिंगुर युक्त पानी की खबर पर त्वरित संज्ञान लेते हुए नगर पालिका अध्यक्ष ने सभापति एवं इंजीनियर्स की टीम के साथ 8 जुलाई को निरीक्षण किया। जहां उन्होंने जल शोधन और जलप्रदाय कार्य को जवाबदेही वाला बताते हुए नगरवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस दौरान नपाध्यक्ष ने बताया कि किसी प्रकार के कीड़े एवं झिंगुर पेयजल के साथ पानी में नहीं जाते है बल्कि तकनीकी रूप से कई चरणों में जल शोधन प्रक्रिया होती है और इसके उपरांत ही पानी टंकियों तक पहुंचता है। फिल्टर प्लांट परिसर को अति असंवेदनशील क्षेत्र होने की बात कहते हुए नपाध्यक्ष ने यहां स्वच्छता और कड़ी सुरक्षा बरतने के निर्देश दिये है। निरीक्षण में नपाध्यक्ष भारती सुरजीतसिंह ठाकुर के साथ उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, जल कार्य सभापति समीर जायसवाल, सभापति संगीता कावरे, योगिता बोपचे, उज्जवल आमाडारे, कमलेश पांचे एवं इंजीनियर्स तथा जल कार्य से जुड़े अधिकारी और कर्मचारियों की उपस्थिति रही। कई चरण में होती है जल शुद्धिकरण प्रक्रियाजल शोधन प्रक्रिया को लेकर बताया गया कि नदी से पानी को फिल्टर प्लांट में लाने के बाद कई चरणों में पानी को शुद्ध करने की प्रक्रिया होती है। जिसमें बाहरी टंकियों में पानी एकत्रित होता है यहां से भीतर पहुंचकर अन्य चरण से इस पानी को गुजरना होता है। बताया गया कि जिस स्थान पर कीड़े एवं झिंगुर मिलने की बात मीडिया में प्रसारित की गई है वह बाहरी टंकी है यहां ठण्डक के कारण कीड़े और झिंगुर हो सकते है लेकिन अगले चरण में पानी शुद्धिकरण के दौरान कोई भी चीज पीने योग्य पानी में नहीं पहुंचती है। नपाध्यक्ष ने इस स्थान का जायजा लिया और सफाई व्यवस्था को लेकर निर्देश किया गया। बताया गया कि इंटेकवेल द्वारा नदी से फिल्टर प्लांट में पानी लेने के उपरांत वह मटमैला होता है और शुद्धिकरण आवश्यक है जिस हेतु अगले चरण में इस पानी को एलम मिलाकर पानी से मिट्टी को अलग करने की प्रक्रिया होती है, इसके उपरांत दूसरे टाके में पानी पहुंचाया जाता है यहां से वैज्ञानिक तरीकों से फ़िल्टर करके पत्थरों के बीच से गुजरने के उपरांत पानी में क्लोरिन की निर्धारित मात्रा मिलाई जाती है और फिर प्रक्रिया होती है सम्पवेल में शुद्ध पानी पहुंचाने की जहां से यह जल शहर की टंकियों तक भेजा जाता है।

250 नवप्रवेशित विद्यार्थियों को मिली उच्च शिक्षा एवं व्यक्तित्व विकास की जानकारी

बालाघाट। शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में 1 जुलाई से 3 जुलाई 2026 तक नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय दीक्षारंभ (इंडक्शन) कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालयीन वातावरण, शैक्षणिक व्यवस्था, अनुशासन, उपलब्ध संसाधनों तथा उच्च शिक्षा के उद्देश्यों से परिचित कराते हुए उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के प्रथम दिवस नवप्रवेशित विद्यार्थियों का महाविद्यालय परिवार द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया।

//नाम परिवर्तन सूचना//

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मै शपथकर्ता SHIRIN ANJUM D/O KHALIL KHAN निवासी WARD NO.4 BAIHAR CHOUKI NURI MASJID KE PASS BALAGHAT है, मेरे दस्तावेजो में मेरा नाम SHIRIN KHAN W/O MO. ZAMEER KHAN हैं। । अतः मुझे मेरे दस्तावेजो के नाम से ही जाना व पहचाना जावे।